स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

हाल ही में भारत ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (Antimicrobial Resistance- AMR) से निपटने के उद्देश्य से भारत की पहली **स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन** लॉन्च की।

- **नैफिथ्रोमाइसिन** को जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC) के सहयोग से विकसित किया गया तथा वॉकहार्ट द्वारा इसे मिक्नाफ ब्रांड नाम के तहत इसका विपणन किया गया था।
    - नैफिथ्रोमाइसिन 30 वर्षों में अपनी श्रेणी का **पहला नया एंटीबायोटिक** है, जो AMR के विरुद्ध लड़ाई में एक बड़ी सफलता है।
- इसे सामुदायिक-अधिग्रहित जीवाणुजनित निमोनिया (CABP) के उपचार के लिये डिज़ाइन किया गया है, जो [illegible] जैसे **दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया** के कारण होता है।
- यह लॉन्च **विश्व AMR जागरूकता सप्ताह (18-24 नवंबर) 2024** के अवसर पर हो रहा है, जिसका विषय है **'एक साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध को रोकना'**।

//

रोगाणुरोधी प्रतिरोध
(AntiMicrobial Resistance-AMR)

Drishti IAS

सूक्ष्मजीवों में रोगाणुरोधी दवाओं के प्रभाव का विरोध करने की क्षमता

AMR में वृद्धि के कारण

- संक्रमण नियंत्रण/स्वच्छता की खराब स्थिति
- एंटीबायोटिक दवाओं का अति प्रयोग
- सूक्ष्मजीवों का आनुवंशिक उत्परिवर्तन
- नई रोगाणुरोधी दवाओं के अनुसंधान एवं विकास में निवेश का अभाव

AMR विकसित करने वाले सूक्ष्मजीवों को 'सुपरबग' कहा जाता है

AMR के प्रभाव

- ↑ संक्रमण फैलने का खतरा
- संक्रमण को इलाज को कठिन बना देता है; लंबे समय तक चलने वाली बीमारी
- ↑ स्वास्थ्य सेवाओं की लागत

उदाहरण

- K निमोनिया में AMR के कारण कार्बापेनेम्स (Carbapenem) एंटीबायोटिक्स प्रतिक्रिया करना बंद कर देते हैं
- AMR माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस, रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी टीबी (RR-टीबी) का कारण बनता है
- दवा प्रतिरोधी HIV (HIVDR) एंटीरेट्रोवाइरल (ARV) दवाओं को अप्रभावी बना रहा है

WHO द्वारा मान्यता

- AMR की पहचान वैश्विक स्वास्थ्य के लिये शीर्ष 10 खतरों में से एक के रूप में
- वर्ष 2015 में GLASS (ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस एंड यूज सर्विलांस सिस्टम) लॉन्च किया गया

AMR के खिलाफ भारत की पहलें

- टीबी, वेक्टर जनित रोग, एड्स आदि का कारण बनने वाले रोगाणुओं में AMR की निगरानी।
- वन हेल्थ के दृष्टिकोण के साथ AMR पर राष्ट्रीय कार्य योजना (2017)
- ICMR द्वारा एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम

न्यू देल्ही मेटालो-बीटा-लैक्टामेज़-1 (NDM-1)
एक जीवाणु एंजाइम है, जिसका उद्भव भारत से हुआ है, यह सभी मौजूदा β-लैक्टम एंटीबायोटिक्स को निष्क्रिय कर देता है

अधकि पढ़ें: रोगाणुरोधी प्रतरिोध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indigenous-antibiotic-nafithromycin